CBCS आधृत स्नातक स्तरीय (B.A. Programme) संस्कृत
B.A. Sanskrit
संस्कृत मुख्य विषय के लिये विस्तृत पाठ्यक्रम
Detail of the Core Course for Sanskrit

सत्र- प्रथम
Semester –I

आधारभूत पत्र (Core paper)	**संस्कृत-साहित्य (पद्य काव्य) Classical Sanskrit Literature (Poetry)**	**पूर्णाङ्क 100**
Paper Code BSA-C111		**सत्रान्त परीक्षा : 70**
		सत्रीय मूल्याङ्कन : 30
		क्रेडिट 06

पाठ्यक्रम का उद्देश्य -

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को पारम्परिक संस्कृत काव्यों से परिचित कराना है। इसका लक्ष्य साहित्य की समझ विकसित करना, जिसे छात्र संस्कृत के मूल तत्व को समझ सकें। यह पाठ्यक्रम छात्रों को संस्कृत में स्वतन्त्र रूप से चिन्तन में प्रवीणता प्रदान करेगा।

पाठ्यक्रम - अध्ययन परिणाम (Course Outcome) -

- इस पत्र के अध्ययन से छात्रों को संस्कृत के काव्यों का ज्ञान होगा तथा तत् प्रतिपादित विविध ज्ञान की प्राप्ति होगी।
- छात्रों के जीवन नैतिकता से युक्त होंगे।
- छात्र संस्कृतसहित्य के विस्तृतवाङ्मय से परिचित होंगे।

पाठ्यक्रम -

खण्ड –क (Section - A) रघुवंशमहाकाव्यम् (प्रथम सर्ग के 1 से 40 श्लोक)

खण्ड –ख (Section - B) शिशुपालवधम् (द्वितीय सर्ग के 26 से 37, 42 से 56 श्लोक)

खण्ड –ग (Section - C) नीतिशतकम् (1 से 40 श्लोक)

खण्ड –घ (Section - D) पद्य साहित्य का इतिहास

घटकानुरूप विभाजन (Unit-Wise Division)

खण्ड – क (Section–A)

रघुवंशमहाकाव्यम् (प्रथम सर्ग के 1 से 40 श्लोक)

घटक (Unit) –1 (क) परिचय- कवि एवं कृति (ख) प्रथम सर्ग- विषयवस्तु 1-40 श्लोक

घटक (Unit) –2 (क) व्याकरणात्मक-विश्लेषण, श्लोकों का अनुवाद एवं स्पष्टीकरण (व्याख्या)

(ख) विषय का विश्लेषणात्मक सारांश (ग) चरित्र-चित्रण

खण्ड –ख (Section–B)

शिशुपालवधम् (द्वितीय सर्ग के 26 से 37, 42 से 56 श्लोक)

घटक (Unit) –1 (क) परिचय- कवि एवं कृति

(ख) द्वितीय सर्ग की विषयवस्तु और पृष्टभूमि

(ग) व्याकरणात्मक-विश्लेषण, श्लोकों का अनुवाद एवं स्पष्टीकरण (व्याख्या) माघे सन्ति त्रयो गुणाः, मेघे माघे गतं वयः, तावद्भा भारवेर्भाति यावन्माघस्य नोदयः आदि का भावार्थ एवं व्याख्या

घटक (Unit) – 2 (क) कवि की काव्यात्मक विशिष्टता तथा कथानकीय- योजना

खण्ड–ग (Section–C)

नीतिशतकम् (1 से 40 श्लोक)

घटक (Unit)1– नीतिशतकम् काव्य का व्याकरणात्मक-विश्लेषण, श्लोकों का अनुवाद एवं स्पष्टीकरण (व्याख्या)

घटक (Unit) 2– (क) कवि की काव्यात्मक विशिष्टता तथा विषयपरक विश्लेषण

(ख) भर्तृहरि की सामाजिक समीक्षा, मूर्ख पद्धति

खण्ड–घ (Section–D)

पद्य साहित्य का इतिहास

घटक (Unit) 1–विविध-महाकाव्यों की उत्पत्ति और विकास – अश्वघोष, कालिदास, भारवि, माघ, भट्टि तथा श्रीहर्ष के विशेष सन्दर्भ में।

घटक (Unit) 2–संस्कृत-गीतिकाव्यों की उत्पत्ति और विकास- कालिदास, बिल्हण, जयदेव, अमरूक तथा भर्तृहरि के विशेष सन्दर्भ में।

सन्दर्भ ग्रन्थ-

1. नीतिशतक, विमलचन्द्रिका संस्कृत एवं हिन्दी व्याख्यासहित।
2. विष्णुदत्तशर्मा शास्त्री, नीतिशतक, ज्ञानप्रकाशन, मेरठ।

3. तारणीश झा, नीतिशतक, रामनारायन लाल बेनीमाधव, इलाहाबाद, 1976 ।
4. ओमप्रकाशपाण्डेय, नीतिशतक, मनोरमा हिन्दी-व्याख्यासहित, चौखम्बा अमरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 1976 ।
5. बाबूराम त्रिपाठी (सम्पादक), नीतिशतक, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा, 1968 ।
6. C.D. Devadhar (Text, Eng. Tr.), Raghuvaṁśam of Kālidāsa, MLBD. Delhi.
7. M.R. Kale (Text, Eng. Tr.), Raghuvaṁśam of Kālidāsa, MLBD, Delhi.
8. Gopal Raghunath Nandergikar, Raghuvaṁśam of Kālidāsa, MLBD, Delhi.
9. कृष्णमणि त्रिपाठी, रघुवंशम् (मल्लिनाथकृत संजीवनीटीका), चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
10. Sisupālavadham of Magha.
11. Mirashi, V.V., Kālidāsa , Popular Publication, Mumbai.
12. Keith, A.B.: History of Sanskrit Literature, MLBD, Delhi.
13. Krishnamachariar, History of Classical Sanskrit Literature, MLBD, Delhi.
14. Gaurinath Shastri, A Concise History of Sanskrit Literature, MLBD, Delhi.
15. Winternitz, Maurice, Indian Literature (Vol. I-III), also Hindi Translation, MLBD, Delhi.